Degree 1st Political theory E/Learing Material

Pol. Sc Paper 1st

राजनीति क्या है?

राजनीति के अर्थ के संबंध में अभी तक अस्पष्टता और परस्पर विरोध बना हुआ है। इसके कई कारण है। राजनीति एक ऐसा विषय है जिसमें हर व्यक्ति अपने को विशेषज्ञ मानता है भले ही इसने इसका क्रमबद्ध अध्ययन किया हो या नहीं। राजनीति की प्रकृति और इसके विषय को हमेशा के लिए एक निश्चित परिभाषा में बाँध देना कठिन है। तीसरी समस्या राजनीतिक समस्याओं को निष्पक्ष दृष्टिकोण से नहीं देख पाए जाने के कारण पैदा होती है।

विद्वानों ने राजनीति की परिभाषा देने का प्रयास किया है, लेकिन अधिकतर वैज्ञानिक परिभाषा के खतरे से बचने के लिए उसकी कार्यकारी परिभाषा देने का प्रयास किया है। क्योंकि इसमें राजनीति के भविष्य में विभिन्न तत्वों को स्थान मिल सकता है, और इसके विस्तार के लिए दरवाजा खुला रहता है।

प्राचीन यूनानी राजनीति दार्शनिकों ने राजनीति को एक सार्वभौम तथा सर्वव्यापी विषय माना है। मनुष्य और इसे एक सर्वोच्च विज्ञान का स्थान दिया है। प्लेटो और अरस्तु को इन्होंने राजनीतिक प्राणी माना है। राजनीति के अध्ययन की शुरुआत की स्थापना के साथ राजनीति के हुई, ऐसा माना जाता है। इन विचारकों ने राजनीति के प्रति जो दृष्टिकोण अपनाया वह आधुनिक राजनीतिक विचारकों से बिल्कुल भिन्न है।

अंग्रेजी का पॉलिटिक्स (Politics) शब्द यूनानी 'पोलिस' (Polis) शब्द से बना है जिसका अर्थ है, 'नगर-राज्य'। प्राचीन यूनान में सारे नगर-राज्य होता था, जहाँ के का जीवन एक छोटे से गाँव जैसा सामूहिक जीवन के सामाजिक, राजनीतिक, नैतिक और दार्शनिकों ने नागरिक कोई रेखा नहीं थी। अतः यूनानी नगर-राज्य और समाज में कोई अन्तर नहीं किया। अतः राजनीति एक ऐसा विषय यूनानी दार्शनिकों के अनुसार राजनीति नगर-राज्य के हर पहलू से संबद्ध था। कहलाता था। यूनानी विचारकों का राजनीतिक के प्रति दृष्टिकोण बहुत व्यापक और आदर्शवादी था।

Scanned with CamScanner

राजनीतिक आदर्शवादीयों के विचार बहुत बहुत हद तक प्लेटो और अरस्तु के बाद मध्ययुग और आधुनिक युग के कुछ राजनीतिक दार्शनिकों के उपरान्त इसमें मुख्य रूप से कांट, बोसांकवे, हिगेल और ग्रीन विशेष रूप से लिए जाते हैं। ये दार्शनिक राजनीति को एक आदर्श और सर्वोच्च राज्य का पर्यायवाची मानते हैं।

आधुनिक युग के विद्वानों ने राजनीति को व्यापक अर्थ देने का प्रयास किया है। उनके अनुसार सभी विषय सामग्री जो राज्य और सरकार से संबंधित हैं, राजनीति के अन्तर्गत आती है। आधुनिक राजनीतिक विचारकों ने इसे दो भागों में बांटा है सैद्धान्तिक राजनीति और व्यवहारिक अथवा प्रयोगात्मक राजनीति। सैद्धान्तिक राजनीति राज्य की आधारभूत समस्याओं का अध्ययन करती है। यह राज्य की उत्पत्ति उसकी प्रकृति एवं उद्देश्यों, राजनीतिक संगठन तथा प्रशासन के सिद्धान्तों आदि का अध्ययन करती है।

जबकि व्यवहारिक राजनीति राज्य के निरंतर परिवर्तनशील सरकारों के वास्तविक रूप से कार्यसंचालन तथा राजनीतिक जीवन की विभिन्न संस्थाओं का अध्ययन करती है। यह बहुत उपयोगी है।

राजनीतिक का सही अर्थ :— राजनीति एक मौलिक क्रिया है यह हर उस आदमी से संबंधित है जो उत्तरदायित्व की भावना रखता है। व्यापक अर्थ में राजनीति का अर्थ है, "शासन के लिए संघर्ष" है। राजनीति का जन्म वहां हो जाता है जहां दो व्यक्ति या अधिक व्यक्ति सम्मीलित रूप से किसी समस्या के प्रति जागरूक हो जाते हैं और समस्या का हल निकालते हैं। समस्या को सुलझाने के लिए वे आपसी सहयोग और संघर्ष का सहारा लेते हैं। राजनीति प्रत्येक समुदाय, संस्था, देश या अन्तर्राष्ट्रीय संगठन में पाई जाती है - चाहे वे छोटे हों या बड़े, संगठित हों या असंगठित, आदिम हों या आधुनिक

यही कारण है कि आज इसे स्वीकार कर लिया गया है कि राजनीति का कई गुना प्रभाव और प्रसार राज्यों और उनकी संस्थाओं से बाहर रहता है। इसलिए आज "राज्यों के बिना राजनीति" और "राज्यविहीन समाज" का अध्ययन किया जाने लगा है। और यह प्रक्रिया के रूप में सर्वत्र विद्यमान प्रतीत होता है।

"विल्सन" के अनुसार "राजनीति एक निरंतर विवाद की प्रक्रिया है यह हर समय, स्थान एवं हर समाज में, जहाँ भी मनुष्यों में आपसी संबंध पाए जाते हैं, राजनीति विद्यमान है।

राजनीति एक अनवरत, सदा परिवर्तनशील और सर्वव्यापी क्रिया है। यह एक दशा को सुलझाने तथा उस संबंध में निर्णय लेने की क्रिया है। "यह ऐसी क्रिया है जिसमें मनुष्य एक नागरिक समुदाय के सदस्य के रूप में परस्पर संबंध होने के कारण अपने समुदाय की व्यवस्थाओं दशाओं की उपयोगिता के बारे में सोचते समझते हैं। उनमें परिवर्तन लाने के लिए सुझाव देते हैं। प्रस्तावित सुझावों को स्वीकार करने के लिए दूसरों को मनाते हैं और परिवर्तनों को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं उनके अनुकूल व्यवहार करते हैं।" "डेविड ईस्टन" राजनीति को मूल्यों के आधिकारिक विनियोजन के अर्थ के रूप में देखता है। "हेराल्ड लासवेल" और "रॉबर्ट ए० डाल" ने इसे "शक्ति के प्रयोग का एक विशेष रूप कहा है।

अन्त में निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि राजनीति को जिस रूप में और जिस दृष्टिकोण से भी देखा गया हो, सभी यह मानते हैं कि यह एक मौलिक और सतत क्रिया है जो अनवरत रूप से चलने वाली एक सर्वव्यापक क्रिया है, जिसमें हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में हिस्सा लेता है। यह एक अथाह सागर की तरह जिसमें न तो सुस्ताने की कोई जगह है और न कोई दिशा निश्चित है, यह एक ऐसा उद्यम है जिसमें बराबर चलते ही रहना है। इसको परिभाषित करने के संबंध में अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाए गए हैं, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इसका अभिप्राय मनुष्य के उन प्रयासों से है जिनके द्वारा संघर्ष या विवाद की स्थिति

Scanned with CamScanner

पैदा होती है और जिनके द्वारा "शक्ति के लिए संघर्ष में रत शक्तियों में यथासंभव फैसला होता है। इन्हीं प्रणालियों का संकलित रूप राजनीति कहलाता है।

Scanned with CamScanner